SS – 107

III Semester B.A. Examination, Nov./Dec. 2018
(CBCS) (F + R) (2016-17 and Onwards)
HINDI LANGUAGE – III
Natak, Sahityakaron Ka Parichay Aur Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए। **(1×10=10)**

1) 'रक्षाबंधन' नाटक के रचनाकार का नाम लिखिए।

2) राजा हुमायूँ को किसने राखी भेजी ?

3) विजय के साथ कितने भील सेना युद्ध करने गए ?

4) माया किसके दिल में राष्ट्रभक्ति की भावना को जगाती है ?

5) बहादुरशाह के पिता का नाम क्या है ?

6) जौहर की ज्वाला में कितनी क्षत्राणियाँ भस्म हो गईं ?

7) महारानी जवाहरबाई के पुत्र का नाम क्या है ?

8) चारणी की प्रेरणा से किसमें देशभक्ति की भावना जाग जाती है ?

9) महाराणा रत्नसिंह के पोते का नाम लिखिए।

10) बादशाह हुमायूँ के कितने भाई थे ?

II. किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(7×2=14)**

1) ''आज तुम्हारे तेजस्वी शब्दों ने मुझे मोहनिद्रा से जगा दिया। तुम सच कहती हो देश सर्वोपरि है, सर्वश्रेष्ठ है।''

2) ''दिल पर पहाड़ रख कर हँसना हर क्षत्राणी का नित्य-कर्म होता है।''

3) ''तुम लोग युद्ध के बाद ठहर जाना चाहते हो और मैं चलती रहना चाहती हूँ।''

III. किसी **एक** प्रश्न का उत्तर लिखिए : **(16×1=16)**

1) 'रक्षाबंधन' नाटक की कथावस्तु लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2) 'रक्षाबंधन' नाटक के आधार पर हुमायूँ तथा कर्मवती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

P.T.O.

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (5×2=10)

1) शाह शेख।

2) माया।

3) बाघसिंह।

V. किसी **एक** साहित्यकार का परिचय दीजिए : (10×1=10)

1) ममता कालिया।

2) हरिवंशराय बच्चन।

VI. उचित शीर्षक देते हुए संक्षिप्तीकरण कीजिए। (10×1=10)

राष्ट्रभाषा से यह अभिप्राय है कि यह अन्तर-प्रान्तीय व्यापार और सार्वजनिक व्यवहार में सभी प्रदेशों के रहने वालों के द्वारा भरती जाए और बद्रीनाथ से रामेश्वर तक, अमृतसर से कटक तक, कश्मीर से कन्याकुमारी तक सभी स्थानों पर परस्पर बातचीत करने और विचार-विनिमय के काम में लाई जाए। राष्ट्र-भाषा होने की अधिकाधिक योग्यता आज भारतवर्ष की जिस भाषा में है, वह हिन्दी ही है। आज के युग में जब वैज्ञानिक आविष्कारों के कारण दुनिया से स्थान और समय की दूरी समाप्त होती जा रही है, कोई भी भाषा दूसरी भाषा के सम्पर्क से अपने को अछूता नहीं रख सकती। हिन्दी का यह गुण है कि उसने अरबी, फारसी, अंग्रेजी, तुर्की, संस्कृत आदि भाषाओं के शब्दों को अपने में समेटने में कोई संकोच नहीं किया। बहिष्कार की नीति को हिन्दी कभी स्वीकार नहीं कर सकती। हिन्दुस्तान में हिन्दू, मुसलमान, ईसाई, सिख, पारसी, यहूदी आदि अनेक जातियों के लोग रहते हैं। अतएव यदि हम सब भाषाओं के उत्तम और व्यापक शब्द लेंगे, तभी हिन्दी का शब्द-भण्डार व्यापक होगा और उसकी उन्नती होगी।